

अध्याय - 2 | शब्द शक्ति

QUIZ-01

1. शब्द शक्ति का अर्थ क्या है?

- A. शब्दों की ध्वनि
- B. शब्दों का प्रयोग
- C. शब्दों का प्रभाव या अर्थ व्यक्त करने की क्षमता
- D. शब्दों की संख्या (C)

व्याख्या: शब्द शक्ति का अर्थ होता है - शब्दों की वह शक्ति जिससे वे अपना अर्थ या प्रभाव प्रकट करते हैं।

2. 'शब्द शक्ति' के कितने प्रकार होते हैं?

- A. दो
- B. तीन
- C. चार
- D. पांच (D)

व्याख्या: शब्द शक्ति के पाँच प्रकार होते हैं - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना, रुढ़ि और योगरुढ़ि।

3. वह शक्ति जिससे शब्द अपने सामान्य या प्रत्यक्ष अर्थ में प्रयुक्त होता है, क्या कहलाती है?

- A. लक्षणा शक्ति
- B. व्यंजना शक्ति
- C. अभिधा शक्ति
- D. रुढ़ि शक्ति (C)

व्याख्या: जब शब्द अपने प्रत्यक्ष या मुख्य अर्थ में प्रयोग होता है तो उसे अभिधा शक्ति कहते हैं।

4. 'लाल आँखें' में 'लाल' शब्द किस शक्ति में प्रयुक्त हुआ है?

- A. अभिधा
- B. लक्षणा
- C. व्यंजना
- D. रुढ़ि (B)

व्याख्या: यहाँ 'लाल' शब्द क्रोध के अर्थ में है, जो लक्षणा शक्ति का उदाहरण है।

5. 'कमल' शब्द का प्रयोग सुंदर व्यक्ति के लिए हो तो यह किस शक्ति का उदाहरण है?

- A. लक्षणा
- B. व्यंजना
- C. अभिधा
- D. योगरुढ़ि (B)

व्याख्या: जब शब्द अपने मुख्य अर्थ से अलग कोई भाव प्रकट करे तो वह व्यंजना शक्ति कहलाती है।

6. 'गंगा' शब्द का प्रयोग किसी स्त्री के नाम के लिए हो तो यह किस शक्ति का उदाहरण होगा?

- A. योगरुढ़ि
- B. रुढ़ि
- C. लक्षणा
- D. व्यंजना (B)

व्याख्या: यहाँ 'गंगा' शब्द रुढ़ि शक्ति में प्रयुक्त हुआ है क्योंकि यहाँ उसका अर्थ नदी न होकर एक स्त्री है।

7. शब्द का वह प्रयोग जिसमें उसका अर्थ उसके योग से अलग हो, क्या कहलाता है?

- A. अभिधा
- B. लक्षणा
- C. योगरुढ़ि
- D. व्यंजना (C)

व्याख्या: जब शब्द का अर्थ उसके योग से अलग होता है तो वह योगरुढ़ि कहलाता है। जैसे - 'पंकज' का अर्थ कमल।

8. जब शब्द का मुख्य अर्थ छोड़कर कोई अन्य अर्थ ग्रहण किया जाता है, तो वह शक्ति क्या कहलाती है?

- A. अभिधा
- B. लक्षणा
- C. व्यंजना
- D. रुढ़ि (B)

व्याख्या: लक्षणा शक्ति में शब्द का मुख्य अर्थ छोड़कर उसके संबंध से अन्य अर्थ ग्रहण किया जाता है।

9. व्यंजना शक्ति का प्रयोग किसके लिए होता है?

- A. प्रत्यक्ष अर्थ के लिए
- B. संकेत अर्थ के लिए
- C. मुख्य अर्थ के लिए
- D. लाक्षणिक अर्थ से उत्पन्न भाव के लिए (D)

व्याख्या: व्यंजना शक्ति वह है जिसमें शब्द का अभिधा या लक्षणा अर्थ न होकर उससे उत्पन्न कोई भाव प्रकट होता है।

10. 'सिंहासन हिल उठे' में कौन-सी शक्ति है?

- A. अभिधा
- B. लक्षणा
- C. व्यंजना
- D. योगरुढ़ि (C)

व्याख्या: यहाँ व्यंजना शक्ति है क्योंकि 'सिंहासन हिलना' का अर्थ राजसत्ता में भय या कंपन पैदा होना व्यक्त करता है।